Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H. D jain college, ara

Notes for ug semester 2

Topic :-बेबीलोनिया की सभ्यता का वर्णन करें।

बेबीलोनिया (Babylonia) प्राचीन मेसोपोटामिया (वर्तमान इराक) की एक महत्वपूर्ण सभ्यता थी, जो टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियों के बीच विकसित हुई थी। यह सभ्यता मुख्यतः **द्वितीय सहस्राब्दी ईसा पूर्व** में फली-फूली और इसकी राजधानी बेबीलोन विश्व के सबसे प्रमुख नगरों में से एक थी।

---

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

बेबीलोनिया की नींव **अक्कद और सुमेर सभ्यताओं** के पतन के बाद पड़ी। इसे दो प्रमुख चरणों में विभाजित किया जाता है:

(क) पुरानी बेबीलोनिया (2000-1595 ईसा पूर्व)

- **संस्थापक**: इस काल का सबसे प्रसिद्ध शासक **हम्मुराबी (1792-1750 ईसा पूर्व)** था।
- **हम्मुराबी की विधि संहिता**: विश्व की प्राचीनतम लिखित विधि संहिताओं में से एक, जिसमें न्याय के कठोर सिद्धांत थे - *"आंख के बदले आंख"*।
- **साहित्य और विज्ञान**: इस काल में गणित, खगोलशास्त्र, और चिकित्सा में उन्नति हुई।

(ख) नव-बेबीलोनिया (626-539 ईसा पूर्व)

- **राजवंश**: इस काल के महान शासक **नबोपोलासर और नबूचडनेज्जर द्वितीय (Nebuchadnezzar II, 605-562 ईसा पूर्व)** थे।
- **हैंगिंग गार्डन्स ऑफ बेबीलोन**: प्राचीन विश्व के सात आश्चर्यों में से एक।
- **व्यापार और वास्तुकला**: इस युग में बेबीलोन को भव्य बनाया गया, प्रसिद्ध *ईश्तार गेट* (Ishtar Gate) इसी काल में बना।

- **पराजय**: 539 ईसा पूर्व में फारस के राजा **साइरस महान** ने बेबीलोन पर विजय प्राप्त कर इसे अपने साम्राज्य में मिला लिया।

---

2. सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन

- **धर्म**: बेबीलोनिया में बहुदेववादी (Polytheistic) धर्म था। प्रमुख देवता **मर्दुक (Marduk)** था।
- **भू-संपत्ति**: राजा और मंदिरों का भूमि पर अधिकार था, परंतु व्यापारी और धनी लोग भी भूमि रखते थे।
- **शिक्षा एवं लेखन**:
  - **लिपि**: क्यूनिफॉर्म (Cuneiform) लिपि का उपयोग होता था।
  - **साहित्य**: गिलगमेश की महाकाव्य गाथा (Epic of Gilgamesh) प्रसिद्ध ग्रंथों में से एक थी।

---

3. आर्थिक जीवन

- **व्यापार**: बेबीलोन व्यापारिक केंद्र था, जहां से अनाज, ऊन, धातु, और कपड़ा बेचा जाता था।
- **कृषि**: सिंचाई प्रणाली उन्नत थी। गेंहू, जौ, खजूर और सब्जियां प्रमुख फसलें थीं।

---

4. वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति

- **गणित**: बेबीलोनियन लोग 60 के आधार (Sexagesimal System) पर गणना करते थे।
- **खगोलशास्त्र**: ग्रहों की गति, सूर्य-चंद्र ग्रहण, और कैलेंडर निर्माण में उन्नति हुई।
- **मेडिसिन**: जड़ी-बूटियों और जादुई चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग किया जाता था।

---

5. बेबीलोन की विरासत

बेबीलोन की सभ्यता ने **न्याय, वास्तुकला, गणित और खगोलशास्त्र** में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसकी संहिता और साहित्य आज भी अध्ययन का विषय हैं।

निष्कर्ष

बेबीलोनिया दुनिया की सबसे प्रभावशाली प्राचीन सभ्यताओं में से एक थी। इसकी संस्कृति, प्रशासन, कानून, और वास्तुकला ने पश्चिमी सभ्यता के विकास पर गहरा प्रभाव डाला।